छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 212 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 15 अगस्त 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

फ्रंटलाइन खबर

शुभकामनाएं...

समस्त पाठकों एवं विज्ञापन दाताओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं..

अवकाश सूचना

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन कार्यालय में 15 अगस्त 2026 को अवकाश रहेगा।

संपादक

स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय कन्या छात्रावास का शुभारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने केशवपुर स्थित 100 सीटर स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय कन्या छात्रावास का शुभारंभ किया। छात्रावास के प्रारंभ होने से महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को बेहतर एवं सुरक्षित आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। विशेष रूप से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को इसका लाभ मिलेगा और उन्हें सुविधाजनक वातावरण में रहकर अपनी पढ़ाई निरंतर जारी रखने का अवसर प्राप्त होगा।

'आय से 1049 प्रतिशत अधिक संपत्ति मामले में रिटायर्ड क्लर्क को 4 साल की सजा'

विशेष न्यायालय ने सजा के साथ 5000 जुर्माना लगाया, आरोपी को जेल भेजने का आदेश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आय से 1049 प्रतिशत अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम ममता पटेल की अदालत ने गुरुवार को एक रिटायर्ड शासकीय सेवक को 4 साल के कठोर कारावास और 5000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड नहीं देने पर 6 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

विशेष आपराधिक प्रकरण क्रमांक 02/2018 में ऋषि सिंह पिता स्व. राम नयन सिंह 62 वर्ष, निवासी शांति विला, केदारपुर अंबिकापुर को दोषी ठहराया गया। वे कार्यालय कलेक्टर, भू-अभिलेख शाखा अंबिकापुर में सहायक ग्रेड-03 के पद पर पदस्थ थे और 05.07.1984 से 18.06.2013 तक सेवा में रहे।

एंटी करप्शन ब्यूरो, अंबिकापुर की शिकायत पर 17.06.2013 को इनके विरूद्ध धारा 13(1) ई सहपठित धारा 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोप था कि सेवा अवधि में ऋषि सिंह ने अपने तथा पत्नी-बच्चों के नाम पर 4 करोड़ 49 लाख 46 हजार 736 रुपये की चल-अचल संपत्ति अर्जित की। कोर्ट ने पाया कि इस अवधि में उसकी ज्ञात और वैध स्त्रोतों से आय 39 लाख 11 हजार 79 रुपये थी। इस हिसाब से उसके पास 4 करोड़ 10 लाख 35 हजार 657 रुपये की संपत्ति, यानी आय से 1049% अधिक पाई गई, जिसका उसने कोई समाधानप्रद स्पष्टीकरण नहीं दिया। ऋषि सिंह अभी जमानत पर हैं। कोर्ट ने इनके जमानत और मुचलके को निरस्त कर दिया है, और अभियुक्त को केंद्रीय जेल भेजने आदेशित किया गया है।

छापे में मिला ये संपत्ति

18.06.2013 को एसीबी की टीम ने आरोपी के अंबिकापुर और अन्य स्थानों पर छापा मारा था। इस दौरान केदारपुर में दो मंजिला मकान, ग्राम सरगवां में फार्म हाउस, दतिमा में फार्म हाउस, कुदरगढ़ में मैरिज हॉल, दत्ता कॉलोनी में मकान सहित कई संपत्तियां मिलीं। इसके अलावा 14,12,700 रुपये नकद, 113.79 ग्राम सोना-चांदी के आभूषण, पत्नि के लॉकर से 82,500 रुपये और 950.09 ग्राम सोना-चांदी भी जब्त किए गए थे। कुल संपत्ति का आंकलन 3 करोड़ 59 लाख 65 हजार रुपये किया गया।

न्यायालय का फैसला

कोर्ट ने कहा कि आरोपी ने सिविल सेवा आचरण नियम 1965 का उल्लंघन कर विभाग को संपत्ति की जानकारी नहीं दी। गवाहों और दस्तावेजों के आधार पर अभियोजन पक्ष अपना मामला साबित करने में सफल रहा। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक गौरांगो सिंह और आरोपी की ओर से अधिवक्ता एम.के. पाण्डेय ने पैरवी की।

सेल्फी लेकर साइबर क्राइम को हराने प्रदेशव्यापी अभियान का आगाज आज से

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज ने 7 सप्ताह के कार्यक्रम को साझा किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रदेशवासियों को साइबर अपराधों से बचाने और 'साइबर क्राइम मुक्त छत्तीसगढ़' बनाने के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ पुलिस 15 अगस्त से साइबर जागृति अभियान शुरू कर रही है। यह अभियान 02 अक्टूबर गांधी जयंती तक 07 सप्ताह तक चलेगा। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा ने कहा कि यह देश के सबसे अनोखे, इनोवेटिव और ट्रेंडी सोशल मीडिया अभियानों में से एक है। अभियान की थीम है 'साइबर जागृति की एक सेल्फी'।

इसके तहत आमजन छत्तीसगढ़ पुलिस और जिला पुलिस के सोशल मीडिया हैंडल्स में दिए गए लिंक या क्यू आर कोड को स्कैन कर, जागरूकता संदेश वाली सेल्फी फ्रेम में अपनी सेल्फी लेंगे और उसे अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करेंगे। लाखों लोगों द्वारा सेल्फी शेयर करने से साइबर सुरक्षा का संदेश तेजी से लोगों तक पहुंचेगा। जिला पुलिस टीम थाने चौक-चौराहों, बाजार, पार्क में पोस्टर-बैनर के जरिए क्यूआर कोड का प्रचार करेंगे। व्हाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया के माध्यम से भी लिंक शेयर किए जाएंगे।

सरगुजा में हुआ शुभारंभ

अभियान का शुभारंभ गुरुवार को राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री और गृहमंत्री के द्वारा किया गया। वहीं सरगुजा रेंज में पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा और पुलिस अधीक्षक डीआईजी राजेश कुमार अग्रवाल ने प्रेसवार्ता में क्यूआर कोड और लिंक जारी करके अभियान का आगाज किया। इन्होंने क्यूआर स्वयं स्कैन कर सेल्फी ली और सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने सामाजिक संगठनों, व्यापारियों, शिक्षण संस्थानों, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स और गणमान्य नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में अभियान से जुड़ने की अपील की।

हर सप्ताह अलग थीम पर कार्यक्रम

आईजी ने कहा जिस तरह आजादी के लिए देशवासी एकजुट हुए थे, उसी तरह हमें साइबर क्राइम के खिलाफ भी एकजुट होना है। एसएसपी ने कहा कि सरगुजा पुलिस जनभागीदारी से जिले को साइबर सुरक्षित बनाएगी। सरगुजा पुलिस ने अभियान को व्यापक रूप दिया है। हर सप्ताह एक अलग थीम पर कार्यक्रम होंगे। पहले सप्ताह में स्कूल-कॉलेजों में डिजिटल सतर्कता और बुनियादी सुरक्षा, दूसरे सप्ताह में बैंक और वित्तीय संस्थानों में पीआई और वित्तीय धोखाधड़ी पर जागरूकता, तीसरे सप्ताह वरिष्ठ नागरिकों के साथ टाउन हॉल, डिजिटल अरेस्ट और फर्जी कॉल पर चर्चा, चौथे सप्ताह महिला कॉलेजों में स्मार्टफोन प्राइवेसी और सेफ ब्राउजिंग, पांचवे सप्ताह आईटीआई, कौशल केंद्रों में युवाओं को जॉब फ्रॉड और फिशिंग से बचाव, छठवें सप्ताह डेटा प्राइवेसी और सोशल मीडिया की सीमाओं पर अभियान, सातवें सप्ताह ग्राम पंचायतों और निकायों में साइबर मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प जैसे थीम निर्धारित किए गए हैं।

कूलर में करंट प्रवाहित होने से युवक की मौत, डॉक्टर ने किया मृत घोषित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम दोरना निवासी राजकुमार गिरी पिता पारस गिरी 26 वर्ष की गुरुवार की रात घर में कूलर ठीक करते समय करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पत्नी सोनमति गिरी ने बताया कि 13 अगस्त को रात्रि लगभग 08 बजे उसके पति राजकुमार गिरी 26 वर्ष घर में कूलर ठीक कर रहे थे। कूलर का वायर प्लग बिजली बोर्ड में लगा था। सोनमति खाना खाने के बाद घर के बाहर खड़ी थी, तभी पति ने अपनी पत्नि को सोनिया नाम से पुकारा, साथ ही 04 वर्षीय पुत्री भी आवाज देकर बताई कि पापा को कुछ हो गया है, जल्दी आओ। इनकी पुकार सुनकर जब वह कमरे में गई तो उसके पति राजकुमार कूलर के पास जमीन पर पड़े हुए थे। करंट मारने का आभास होने पर वह तत्काल कूलर का प्लग बोर्ड से निकाली, लेकिन तब तक उसके पति बेहोशी की हालत में पहुंच गए थे। स्वजन उन्हें लुण्ड्रा शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे, यहां से रिफर करने पर स्वयं के साधन से स्वजन उन्हें होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लाए, यहां आपातकालीन चिकित्सा कक्ष में जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर थाना लुण्ड्रा पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा, पोस्टमार्टम कराया है। मामले में मर्ग कायम करके पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक की 4 वर्षीय पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार है।

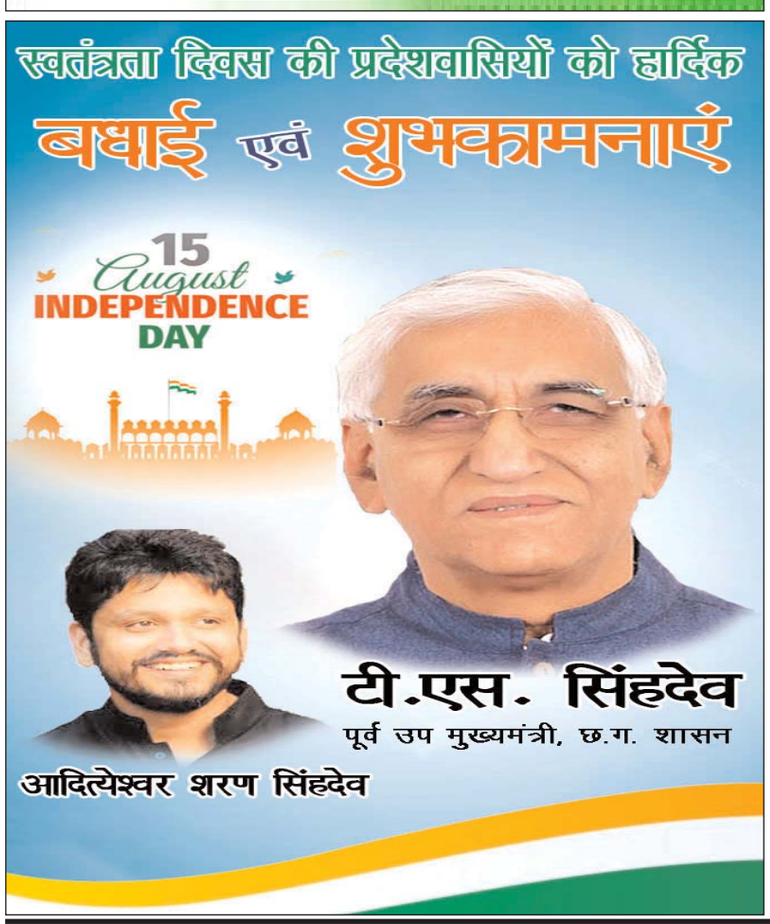

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

मंत्री महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

समस्त जिला पंचायत परिवार जिला पंचायत जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

भूलन सिंह मराबी

विधायक-प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

चिंतामणि महाराज

सांसद - सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

डॉ कपिल देव पैकरा

मुख्य चिकित्सा एवं स्वस्थ अधिकारी, जिला अस्पताल सूरजपुर छ.ग.

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

डॉ अजय मरकाम

सिविल सर्जन
जिला अस्पताल सूरजपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

जयनाथ सिंह केराम

राष्ट्रीय प्रवक्ता
गोंडवाना गणतंत्र पार्टी

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

श्रीमती लता बेग
जिला शिक्षा अधिकारी

अजय सिंह
सहायक संचालक, शिक्षा

जिला शिक्षा कार्यालय सूरजपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

श्रीमती शांति सिंह

वार्ड पंच क्र.04 ग्राम डुमरिया
जनपद पंचायत-सूरजपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

कुसुमलता राजवाड़े
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद

शैलेष अग्रवाल
उपाध्यक्ष
नगर पालिका परिषद

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
मनीष कुमार गायकवाड़

एवं समस्त पार्षदगण,
नपा सूरजपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

देव गुप्ता

जिला अध्यक्ष भारतीय जनता युवा मोर्चा
जिला - सूरजपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

विपुल अग्रवाल

वन मण्डलाधिकारी
वन मंडल जिला-सूरजपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

संदीप भगत

जिला खाद्य अधिकारी एवं
समस्त स्टाफ सूरजपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

ललित कुमार भोई

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
लोक निर्माण विभाग जिला- सूरजपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

डॉ. नृपेंद्र सिंह, उप संचालक

पशु चिकित्सा विभाग
जिला- सूरजपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

सुश्री संपदा पैकरा

उप संचालक कृषि
जिला-सूरजपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

शुभम बंसल

जिला कार्यक्रम अधिकारी
महिला बाल विकास विभाग
जिला- सूरजपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

मनोज मंडल

बी. आर. सी.
सूरजपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

मनोज साहू, डी.एम.सी.

राजीव गांधी शिक्षा मिशन
जिला - सूरजपुर

स्वतंत्र संगठित अडिग

आज़ाद भारत का जज़्बा हर दिल को गर्व से भर दे और आपका हर कदम नए सपनों व उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़े।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

मनीष सिंह पार्षद
व एम.आई.सी. सदस्य
आवास, पर्यावरण, लोक निर्माण विभाग
नगर पालिक निगम अम्बिकापुर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

जल ही जीवन है, जल है तो कल है

जितेन्द्र सोनी पार्षद
शहीद वीर नारायण सिंह
वार्ड क्रमांक 23
एवं एम.आई.सी. सदस्य
जल प्रदाय विभाग
नगर पालिक निगम अम्बिकापुर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

विकास पाण्डेय
पार्षद
नगर पालिक निगम अम्बिकापुर
जिला मंत्री भाजपा सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

महेन्द्र प्रताप सिंह
कार्यपालन अभियंता
सीजीएमएससी लीमी सरगुजा
संभाग एवं समस्त स्टाफगण

अखिलेश प्रताप सिंह
देव जि.पं.सदस्य क्षे.क्र.07

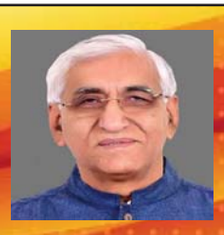

समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता एवं समस्त क्षेत्रीय ग्रामीण भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0)

विद्यात्री सिंह देव अध्यक्ष,
ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भैयाथान

लक्ष्मी राजवाड़े
कैबिनेट मंत्री महिला एवं बाल विकास तथा समजा कल्याण विभाग छ.ग. शासन

समस्त कार्यकर्ता भा.ज.पा. मण्डल भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.)

सुनील साहू
अध्यक्ष, भा.ज.पा.मण्डल भैयाथान

डॉ. राकेश सिंह
खण्ड चिकित्सा अधिकारी भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0)

योगेन्द्र सिंह देव सभापति,
निर्माण एवं विकास समिति जनपद पंचायत भैयाथान

अमित कुमार ताम्रकार
अनुविभागीय अधिकारी
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा ज.पं. भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ0ग0)

अमरनाथ चौबे
अध्यक्ष सर्व शिक्षक कल्याण संघ,
जिला सूरजपुर (छ0ग0)

आर.पी.यादव
अध्यक्ष सर्व यादव समाज ब्लॉक इकाई भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ0ग0)

सनलीत कुशवाहा
जिलाध्यक्ष कुशवाहा समाज जिला सूरजपुर (छ0ग0)

महेश राम पैकरा जिला महामंत्री
अमरनाथ वाले में एड कर दीजेगा भैया

संकलनकर्ता- संदीप पाल संवाददाता भैयाथान मो.नं. 9340404282

सम्पादकीय

कैश कांड : जजों की जवाबदेही भी तय हो

न्यायपालिका से जनता की सबसे बड़ी अपेक्षा निष्पक्षता, पारदर्शिता और नैतिक विश्वसनीयता की होती है। ऐसे में किसी न्यायाधीश के सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने और उसके बाद सबूतों से कथित छेड़छाड़ के आरोपों का जांच समिति द्वारा सही पाया जाना बेहद गंभीर मामला है। जस्टिस यशवंत वर्मा मामले ने केवल यह सवाल उठाया कि नोटों से भरी बोरियां वहां कैसे पहुंचीं, बल्कि यह भी पूछा है कि आग के बाद महत्वपूर्ण सबूतों को सुरक्षित रखने में इतनी बड़ी चूक कैसे हुई। न्यायपालिका की गरिमा किसी व्यक्ति विशेष से नहीं, बल्कि जवाबदेही और पारदर्शी प्रक्रिया से मजबूत होती है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास से नकदी बरामद होने के मामले में लोकसभा द्वारा गठित जांच समिति ने उनके खिलाफ लगाए गए तीनों आरोपों को सही पाया है। समिति का कहना है कि न्यायमूर्ति वर्मा स्टोर रूम में मिली नकदी के स्रोत और स्वामित्व को लेकर संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सके। उनकी सफाई को टालमटोल वाला और असंतोषजनक माना गया। रिपोर्ट का संसद में पेश होना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मामला अब केवल न्यायपालिका के भीतर की जांच तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सार्वजनिक जवाबदेही के दायरे में आ गया है। इस प्रकरण की सबसे विचलित करने वाली बात केवल नकदी का मिलना नहीं है। असली चिंता यह है कि इतनी गंभीर घटना के बाद घटनास्थल और वहां मौजूद सामग्री को सुरक्षित रखने की प्रक्रिया इतनी कमजोर क्यों रही। किसी भी जांच में घटनास्थल के साक्ष्य सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। यदि वही सुरक्षित न रहें तो बाद की पूरी जांच पर सवाल उठने लगते हैं। इसलिए यह पता लगाना भी उतना ही जरूरी है कि सबूतों की सुरक्षा में चूक किस स्तर पर हुई और इसके लिए जवाबदेह कौन है। न्यायाधीशों को स्वतंत्रता मिलनी चाहिए, क्योंकि बिना स्वतंत्र न्यायपालिका के लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती, लेकिन स्वतंत्रता का अर्थ जवाबदेही से मुक्ति नहीं हो सकता। न्यायिक स्वतंत्रता और न्यायिक जवाबदेही एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। जिस संस्था को सरकार, प्रशासन और नागरिकों के आचरण पर निर्णय देने का अधिकार है, उसके भीतर भी आचरण के उच्चतम मानक लागू होने चाहिए। न्यायमूर्ति वर्मा ने अप्रैल 2026 में इस्तीफा दे दिया था और इसके साथ उनके खिलाफ संसद से पदच्युत करने की प्रक्रिया व्यावहारिक रूप से निष्प्रभावी हो गई। लेकिन इस्तीफा किसी गंभीर आरोप पर सार्वजनिक जवाबदेही का अंत नहीं होना चाहिए। समिति ने आरोपों को साबित माना है, इसलिए अब सवाल यह है कि इसके बाद संस्थागत और कानूनी स्तर पर क्या कार्रवाई संभव है। इस मामले में राजनीति से ऊपर उठकर संस्थागत सुधार की जरूरत है। न्यायपालिका के खिलाफ आरोप लगे तो जांच न्यायपालिका की गरिमा बचाने के लिए होनी चाहिए, किसी व्यक्ति को बचाने के लिए नहीं। इसी तरह संसद की भूमिका भी राजनीतिक प्रतिशोध से मुक्त और तथ्यों पर आधारित रहनी चाहिए। लोकतंत्र में संस्थाओं का सम्मान तभी कायम रहता है जब वे अपने भीतर उठे गंभीर सवालों का सामना करने का साहस दिखाती हैं। सबसे बड़ा नुकसान तब होता है जब जनता की यह धारणा बनने लगे कि आम नागरिक के लिए कानून की कठोरता और संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के लिए अलग कसौटी है। कुल मिलाकर न्याय की कुर्सी पर बैठे हर व्यक्ति की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

मुद्दा
महेन्द्र तिवारी

छात्र आंदोलनों में लोगों का दोहरा मापदंड

राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर जब देश भर के छात्रों की आवाज गूंज रही थी, तब पूरे देश में शिक्षा व्यवस्था की खामियों, परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और कथित रूप से प्रश्नपत्र के अवैध तरीके से सार्वजनिक होने को लेकर एक बड़ी बहस छिड़ गई थी। उस समय दिल्ली में चले उस आंदोलन ने बहुत जल्द राष्ट्रीय विमर्श का रूप ले लिया था। सत्ता के गलियारों से सीधे और तीखे सवाल पूछे गए, शिक्षा व्यवस्था की पूरी जवाबदेही तय करने की मांग उठी और देश के भविष्य को लेकर बड़े और आदर्शवादी बयान सामने आए। उस आंदोलन के समर्थन में देश के कई नामी, प्रतिष्ठित और प्रभावशाली चेहरे भी दिखाई दिए, जिन्होंने छात्रों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने का दावा किया।

समाचार पत्रों के मुख्य पृष्ठों से लेकर हर वैचारिक मंच पर केवल युवाओं के अधिकारों की बात हो रही थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था, मानो पूरा देश छात्रों के दर्द को अपना दर्द मान चुका है। लेकिन आज जब वही सवाल, वैसी ही विसंगतियां और वैसा ही दर्द रांची की सड़कों पर खुले आसमान के नीचे खड़ा है, तो वह राष्ट्रीय आक्रोश कहीं खोया हुआ सा लगता है। झारखंड की राजधानी रांची में राज्य लोक सेवा आयोग और राज्य कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्र बहुत लंबे समय से कड़ाके की ठंड और तमाम प्रशासनिक दुश्वारियों के बीच लगातार आंदोलन कर रहे हैं। उनका यह संघर्ष 17 दिनों का लंबा सफर तय कर चुका है। राज्य सरकार के प्रतिनिधियों और छात्रों के बीच बातचीत के कई दौर भी आयोजित हुए हैं, लेकिन विवाद पूरी तरह से समाप्त नहीं हो सका है और छात्रों का गहरा असंतोष जस का तस बना हुआ है। झारखंड जैसे राज्य में जहां अधिकतर छात्र ग्रामीण और अत्यंत सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं, उनके लिए सरकारी नौकरी केवल रोजगार नहीं बल्कि पूरे परिवार के सामाजिक और आर्थिक उत्थान का एकमात्र साधन होती है। ऐसे गंभीर समय में यह सवाल उठना पूरी तरह से स्वाभाविक है कि राजधानी दिल्ली में छात्रों के साथ हुए अन्याय पर अपनी आवाज बुलंद करने वाले वे तमाम नामी लोग और विचारक अब कहां छिपे हैं? क्या किसी छात्र की पीड़ा और उसका दर्द दिल्ली की सीमा समाप्त होते ही अचानक से कम हो जाता है? क्या परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता का सवाल केवल देश की राजधानी में ही अधिक महत्वपूर्ण होता है और रांची या किसी अन्य प्रांतीय शहर तक पहुंचते ही उसका महत्व पूरी तरह से शून्य हो जाता है? यह एक ऐसा कड़वा विरोधाभास है जो हमारी बौद्धिक और सामाजिक चेतना पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। प्रसिद्ध अभिनेता पीयूष मिश्रा ने रांची पहुंचकर इस पूरी बहस को एक नई और अत्यंत तीखी धार दे दी है। उन्होंने रांची में आंदोलन कर रहे छात्रों के बीच जाकर न केवल उनका खुला समर्थन किया, बल्कि दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की एक पुरानी टिप्पणी के संदर्भ में बहुत ही तीखा कटाक्ष भी किया। अभिनेता की भाषा, उनके तेवर और उनके शब्दों के चयन पर अलग से एक लंबी बहस हो सकती है और शायद एक स्वस्थ व लोकतांत्रिक समाज में यह बहस होनी भी चाहिए। लेकिन उन्होंने जिस मूल सवाल को पूरे देश के सामने लाकर खड़ा कर दिया है, उसे किसी भी

स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अब यह सवाल केवल इस बात तक सीमित नहीं रह गया है कि कौन सा अभिनेता या कौन सा प्रसिद्ध चेहरा किस वैचारिक गुट के साथ खड़ा है। असल और सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या देश में छात्र आंदोलन भी अब केवल किसी राजनीतिक सुविधा का विषय बन गए हैं? क्या अब केवल यह देखा जाएगा कि सत्ता के सिंहासन पर कौन बैठा है और उसी के आधार पर यह तय होगा कि किस राज्य के छात्र के लिए आंसू बहाने हैं और किस राज्य के छात्र को उसके हाल पर बेसहारा छोड़ देना है? जब दिल्ली में आंदोलन सत्ता के शीर्ष केंद्र के ठीक सामने हो रहा था, तब उसकी गूंज राष्ट्रीय समाचार माध्यमों तक बहुत आसानी से और तेज गति से पहुंच गई थी। हर तरफ निरंतर चर्चा हो रही थी। हमें यह बिल्कुल नहीं भूलना चाहिए कि रांची के छात्र भी इसी देश के उतने ही महत्वपूर्ण नागरिक हैं। वे भी अपने जीवन के कई बहुमूल्य वर्ष छोटी-छोटी कोठरियों में बंद रहकर पढ़ाई करते हुए गुजारते हैं। वे भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अपना खून पसीना एक करते हैं। उनके माता पिता भी अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक पैसा और कई बार तो कर्ज लेकर भी, अपने बच्चों के भविष्य को संवारने में लगाते हैं। यदि उन्हें अपनी परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, भ्रष्टाचार, पक्षपात या धांधली दिखाई देती है, तो उनके सवालों का और उनके आक्रोश का महत्व दिल्ली के छात्रों के आक्रोश से एक प्रतिशत भी कम कैसे आंका जा सकता है? अन्याय का पैमाना भौगोलिक स्थान के आधार पर नहीं बदला जा सकता। यहां दिल्ली के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संगठन और उसके संयोजक अभिजीत दिपके को लेकर भी कई सामाजिक मंचों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। कुछ आलोचकों का कहना है कि वे रांची के मुद्दे पर मौन साधे हुए हैं। फिर भी एक बहुत बड़ा और समाज को चुभने वाला प्रश्न हमारे सामने खड़ा रहता है। केवल किसी आंदोलन की तीव्रता में अंतर होने या किसी प्रसिद्ध चेहरे की अनुपस्थिति को सीधे तौर पर किसी बड़े षड्यंत्र का अकाट्य प्रमाण मान लेना सर्वथा अनुचित होगा। लोकतांत्रिक विमर्श में किसी की नीयत पर संदेह अवश्य किया जा सकता है, व्यवस्था से कड़े सवाल भी पूछे जा सकते हैं, लेकिन अंतिम निष्कर्ष हमेशा तथ्यों और ठोस सबूतों के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। छात्रों का दर्द न तो किसी सत्ताधारी दल की बपौती हो सकता है, न ही किसी विपक्षी दल की जागीर है और न ही किसी अन्य क्षेत्रीय दल का राजनीतिक हथियार हो सकता है। यह विशुद्ध रूप से भारत के युवाओं का और देश के भविष्य का दर्द है। परीक्षा चाहे राष्ट्रीय स्तर की हो या राज्य स्तर की, न्याय की गुहार और अन्याय का पैमाना पूरे देश में एक समान होना चाहिए। किसी भी युवा के साथ उसकी भौगोलिक स्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। इसलिए आज यह सवाल उन तमाम नामी हस्तियों, साहित्यकारों, अभिनेताओं और विचारकों से भी है जो दिल्ली में छात्रों की बुलंद आवाज बन रहे थे। यह सवाल उन सभी राजनीतिक शक्तियों से भी है जो अपनी सुविधा और अपने चुनावी गणित के अनुसार छात्र आंदोलनों को अपना समर्थन देते हुए दिखाई देते हैं। देश के छात्रों को किसी के उपकार या झूठी सहानुभूति की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्हें केवल एक निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली, एक पारदर्शी व्यवस्था तथा अपने भविष्य के प्रति सच्चा न्याय चाहिए। यदि कोई आंदोलन सचमुच छात्रों के कल्याण के लिए है, तो उसकी अग्नि का ताप देश की राजधानी दिल्ली से लेकर झारखंड की राजधानी रांची तक बिल्कुल एक समान होना चाहिए। वरना आने वाली पीढ़ियां इतिहास के पन्नों में यही सवाल पूछेंगी कि क्या उस दौर में उठी आवाजें वास्तव में छात्रों के उज्ज्वल

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कार्यवाही

ओ.पी. पाल

असहमति के शोर में गुम होती संसदीय मर्यादा

भारतीय लोकतंत्र का सबसे पवित्र मंदिर 'संसद' जनता की समस्याओं, राष्ट्रीय नीतियों और भावी कानूनों पर तर्कसंगत बहस का केंद्र माना जाता है। मसलन, संसद केवल कानून बनाने की मशीन नहीं है, बल्कि यह देश की सामूहिक चेतना और आकांक्षाओं का दर्पण है। संसद के वर्तमान मानसून सत्र में जो दृश्य सामने आ रहा है, वह विधायी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। सत्र के पहले ही दिन से विपक्षी दलों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय व राजनीतिक मुद्दों को लेकर दोनों सदनों में जोरदार हंगामा किया जा रहा है। सदन के भीतर नारेबाजी और वेल (सदन के बीचों-बीच) में आकर तख्तियां दिखाने से लेकर संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा से लेकर नए भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन करना विपक्ष की रोजाना की दिनचर्या देखी जा रही है। यह भारतीय लोकतंत्र और जनता के प्रति जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही की दृष्टि से शुभ संकेत नहीं हैं। संसद के मानसून सत्र में बीते दो हफ्ते की तरह तीसरे सप्ताह की कार्यवाही के दौरान भी जिस तरह हंगामे के बीच बिना बहस के विधेयक पारित हो रहे हैं, वह भारतीय लोकतंत्र में विधायी कार्य और जवाबदेही का गहराता संकट पैदा करता नजर आ रहा है। यह सत्र अपने अंतिम पड़ाव पर है, तो सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के पास अपनी जिम्मेदारी निभाने का आखिरी अवसर है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक और आवश्यक है, लेकिन असहमति को प्रकट करने का जरिया 'संसदीय संवाद' होना चाहिए, 'संसदीय गतिरोध' नहीं। जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए यह अनिवार्य है कि दोनों पक्ष अपनी राजनीतिक रणनीतियों से ऊपर उठकर देश के विधायी और लोकतांत्रिक हितों को प्राथमिकता दें। यद्यपि सरकार लगातार यह दावा कर रही है कि वह विपक्ष द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर नियम-नियमावली के तहत चर्चा कराने को तैयार है, वहीं विपक्ष का कहना है कि उनकी प्राथमिक मांगों पर तुरंत और बिना शर्त बहस कराई जाए। इस गतिरोध के बीच सबसे बड़ा नुकसान देश के उस विधायी ढांचे का हो रहा है, जिसकी जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों को सौंपी गई है। संसद में विपक्ष की ओर से जारी व्यवधान के बीच केंद्र सरकार ने भी विधायी कामकाज निपटाने के लिए एक आक्रामक और व्यावहारिक रणनीति अपनाई है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह हंगामे के कारण विधायी एजेंडे को रुकने नहीं देगी। नतीजतन, शोर-शराबे और तख्तियों की आड़ में ही कई अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक बिना किसी विस्तृत चर्चा के दोनों सदनों से पारित कराए जा चुके हैं। पीठासीन अधिकारियों (लोक सभा अध्यक्ष और राज्य सभा के सभापति) द्वारा बार-बार सदस्यों से अपनी सीटों पर लौटने और बिलों पर चर्चा में भाग लेने की अपील की गई। इसके बावजूद, जब विपक्षी दल चर्चा में शामिल होने के बजाय वाकआउट (सदन का बहिष्कार) करने या नारेबाजी जारी रखने का विकल्प चुनते हैं, तो सरकार ध्वनिमत के जरिए विधेयकों को पारित करवा लेती है। संसदीय कार्यप्रणाली के दृष्टिकोण से यह स्थिति चिंताजनक है। जब कोई विधेयक बिना बहस के कानून का रूप लेता है, तो उसमें रह जाने वाली व्यावहारिक कमियों या खामियों पर विचार करने का अवसर समाप्त हो जाता है। प्रश्नकाल के दौरान सांसद अपने क्षेत्रों की समस्याओं, स्वास्थ्य, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, रक्षा और बुनियादी ढांचे से जुड़े तारांकित और अतारांकित प्रश्न पूछते हैं। चालू मानसून सत्र में लगातार व्यवधान के कारण अधिकांश दिनों में प्रश्नकाल शुरू होते ही स्थगित करना पड़ा या शोर-शराबे में डूब गया। इससे मंत्रियों से सीधे तीखे सवाल पूछने का जनता का अधिकार अप्रत्यक्ष रूप से छिन गया। सदन के लगातार बाधित रहने से न तो देश के ज्वलंत मुद्दों पर बात हो पा रही है और न ही दूर-दराज के क्षेत्रों के आम नागरिकों की आवाज दिल्ली तक पहुंच पा रही है। अब जब मानसून सत्र अपनी समाप्ति की ओर है, तब यह सवाल सबसे बड़ा है कि क्या बाकी बचे समय का उपयोग देशहित में किया जा सकता है? आगे की राह को आसान बनाने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों को अपने अड़ियल रुख से पीछे हटना होगा। सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष की मुख्य मांगों पर किसी बीच के रास्ते या विशेष नियम के तहत चर्चा कराने का औपचारिक आश्वासन दे। वहीं, विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि सदन को ठप रखने से किसी समस्या का समाधान नहीं निकलता। अब, जो भी महत्वपूर्ण विधेयक पटल पर रखे जाने हैं, उन पर कम से कम संक्षिप्त बहस अवश्य कराई जाए। विपक्ष को वाकआउट करने के बजाय सदन में रहकर अपने संशोधन दर्ज कराने चाहिए और सरकार को भी विपक्ष के जायज सुझावों को शामिल करने का बड़प्पन दिखाना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दान करेंगे तो बनेंगे समृद्ध और खुशहाल

एक विवेकशील प्राणी होने के नाते मनुष्य से त्याग की अपेक्षा स्वाभाविक है। वास्तव में मानव का पूर्ण विकास ही त्याग द्वारा संभव है। जो दूसरे के लिए जितना अधिक त्याग कर सकता है, वह उतना ही महान समझा जाता है।राजा हरिश्चंद्र को हम आज भी उनके त्याग के लिए ही तो स्मरण करते हैं। महर्षि दधीचि ने तो एक विराट लक्ष्य के लिए अपनी देह का ही त्याग कर दिया था। वास्तव में हमारे समृद्ध इतिहास में कई विभूतियां तो केवल अपनी त्याग भावना के लिए ही विख्यात हुई हैं। त्याग की भावना का विकास करने के लिए सभी धर्मों में दान की महिमा बताई गई है। कहा जाता है धन का दान करने से धन शुद्ध होता है। आवश्यक नहीं है कि मात्र धनी व्यक्ति ही दान करने में सक्षम हैं, क्योंकि उनके पास किसी वस्तु का अभाव नहीं है। दान की भावना जाग्रत होने पर आप पाएंगे कि आपके पास भी एक अक्षय भंडार है। मात्र धनदान या अन्नदान ही दान नहीं है। हो सकता है कोई व्यक्ति धनहीन हो, परंतु उसके पास एक स्वस्थ एवं निरोग शरीर हो। क्या ऐसे लोगों के लिए श्रमदान विकल्प नहीं है? उनके आसपास कितने अशक्त लोग मिल जाएंगे, जिनकी वे अपनी शारीरिक ऊर्जा से सेवा कर सकते हैं। किसी के कार्य में हाथ बंटा लेना भी श्रमदान है। विद्यादान या ज्ञानदान को तो उत्तम में सर्वश्रेष्ठम माना गया है। किसी निर्धन बच्चे को निःशुल्क पढ़ा देना भी तो दान ही है। आप किसी भी प्रकार से अभावग्रस्त की सहायता कर सकते हैं, शरीर, मन, बुद्धि, धन और भाव सब उपकरण हैं।

संकलित
दर्शन

भगवान या भाग्य को दोष नहीं देना चाहिए

एक बूढ़ी महिला गौतम बुद्ध के पास पहुंची। उस महिला की बुद्ध के लिए गहरी आस्था थी। दरअसल, उस महिला के बेटे की मृत्यु हो गई थी। महिला बहुत दुखी थी और उसने बुद्ध से कहा कि आप मेरे बच्चे को जीवित कर दीजिए। महिला को लग रहा था कि बुद्ध उसके बेटे का जीवन बचा सकते हैं। बुद्ध ने महिला की बात सुनी और कुछ देर सोचने के बाद उन्होंने कहा कि ठीक है, मैं ऐसा कर दूंगा, लेकिन तुम्हें किसी ऐसे घर से मुट्ठी भर सरसों के दाने लेकर आना है, जहां कभी किसी की मौत न हुई हो। जिस परिवार ने किसी की मृत्यु का दुख नहीं देखा है, वहां से सरसों ले आओ। महिला ने सोचा कि ये तो छोटा सा काम है। बूढ़ी महिला गांव की ओर चल दी और एक-एक घर में जाकर पूछने लगी। महिला जिस घर में जाती, वहां कहती कि अगर आपके घर में कभी किसी की मृत्यु न हुई हो तो एक मुट्ठी सरसों के दाने दे दीजिए। गांव के सभी लोगों का यही जवाब रहता था कि हमारे घर में मृत्यु तो हुई है। कुछ लोगों की बढ़ी उम्र में हुई है तो किसी की असमय हुई। जब सभी घरों से ऐसे ही उत्तर मिल रहे थे तो महिला समझ गई कि बुद्ध ने मुझे जरूर कुछ सोचकर ही भेजा है। जब वह लौटकर बुद्ध के पास पहुंची, तब तक वह जान चुकी थी कि एक दिन मौत सबको आनी है। उसका शोक लंबे समय तक नहीं मनाना चाहिए।

संकलित
प्रेरणा

सटाका

आज की पाती

युवाओं की देश-समाज के लिए महत्त्वपूर्ण भूमिका

12 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। सारी दुनिया युवा शक्ति को पहचानती है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने तो वर्ष 1985 को अंतरराष्ट्रीय युवा वर्ष घोषित किया था। वर्ष 1998 के विश्व सम्मेलन में विभिन्न मंत्रियों के समूह के सुझावों पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 17 दिसंबर 1999 को इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया था। पहला अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस साल 2000 में मनाया गया था। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य युवाओं की मुख्य भागीदारी पर विचार विमर्श करना है। अगर हम अपने देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की कहानियों और इतिहास को पढ़ें तो हमें पता चलेगा कि देश को स्वतंत्र करवाने के लिए युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। युवाओं की भूमिका को स्वीकार करने का समय आ गया है। -संगीता सिंह, भिवानी

ट्रेंड

सीबीएसई की शिक्षा

सीबीएसई स्कूल शुरू करने में कई चुनौतियाँ थी, लेकिन हमने हर चुनौती को एक मौके में बदल दिया और 150 स्कूलों को सीबीएसई से जोड़ा। आज, 24,000 बच्चे सीबीएसई स्कूलों में दाखिला ले चुके है। अब, उन्हे सिर्फ़2,000 रुपये में सीबीएसई की शिक्षा मिल रही है।
-सुखविंदर सिंह सुखु, सीएम, हिमाचल प्रदेश

तिरंगे की कहानी

आज़ादी की लड़ाई के संकल्प से लेकर 140 करोड़ भारतीयों के गर्व तक, भारत की पूरी गाथा तिरंगे में बुनी हुई है। बलिदान, वीरता, एकता और देश को सर्वोपरि रखने के अटूट संकल्प की गाथा। यह हमारे तिरंगे की कहानी है...
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

एनसीडीसी बिल

नेशनल कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (संशोधन) बिल, 2026, गृह मंत्री अमित शाह के नाम से पेश किया जा रहा है, जो लगातार सदन से अनुपस्थित रहे है। आपको उन्हे तुरंत सदन में बुलाना चाहिए।
- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

समुदाय पर निर्भर

कोई व्यक्ति चाहे कितना भी काबिल क्यों न हो, वह अकेले नहीं रह सकता। हम उस समुदाय पर निर्भर होते है जिसमें हम रहते है। दूसरों की भलाई के लिए खुद को समर्पित करके, हम असल में अपना ही भला करते है।
- दलाई लामा, आध्यात्मिक गुरु

करंट अफेयर

न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे

अमेरिका के दो राज्यों, न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत की यात्रा और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के योगदान को मान्यता देने के लिए 15 अगस्त को उसके स्वतंत्रता दिवस को मनाने की घोषणा की है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होकुल ने 15 अगस्त 2026 को पूरे राज्य में भारत का स्वतंत्रता दिवस मनाने की घोषणा की। वहीं, न्यू जर्सी की गर्वनर मिकी शेरिल ने भी इसी तरह की घोषणा की है। न्यूयॉर्क स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि ये घोषणाएं भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोहों से पहले की गई हैं और इनमें भारत की स्वतंत्रता यात्रा तथा भारत और अमेरिका के बीच साझा लोकतांत्रिक मूल्यों को रेखांकित किया गया है। दोनों पड़ोसी राज्यों न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में अमेरिका के सबसे बड़े और प्रभावशाली भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्य रहते हैं। दोनों राज्यों द्वारा जारी बयान के मुताबिक भारतवंशी व्यापार, स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और सार्वजनिक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

ऑफ बीट

धीरे-धीरे दौड़ने के कई फायदे सामने आए

धावकों को समय को लेकर जुनून होता है। शौकिया हों या पेशेवर, अधिकतर धावकों का उद्देश्य तेजी से दौड़ना होता है। वे अपने मैराथन समय में से कुछ सेकंड कम करने के लिए लगातार प्रशिक्षण लेते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में दौड़ने का जो चलन जोर पकड़ रहा है, वह है 'धीमी गति से दौड़ना'। इस चलन के पीछे विचार यह है कि कोई भी दौड़ सकता है - चाहे आपकी क्षमता कुछ भी हो या आप कितनी भी तेज दौड़ें। एक मजबूत आधार विकसित करने से काम करने वाली मांसपेशियों को प्रति धड़कन अधिक ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता मिलती है, जो दौड़ में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण है। इतना ही नहीं, बल्कि धीमी गति से दौड़ने से शरीर ऊर्जा के लिए संग्रहीत वसा का इस्तेमाल करता है। यह प्रक्रिया खाद्य पदार्थों से प्राप्त कार्बोहाइड्रेट संग्रह पर निर्भर रहने के विपरीत है। शरीर में एकत्र वसा का खंडित होना चयापचय की दृष्टि से कहीं अधिक कुशल प्रक्रिया है, क्योंकि वसा के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा कार्बोहाइड्रेट के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा से कहीं अधिक होती है। इसका मतलब है कि धावक कुल मिलाकर कम ऊर्जा का उपयोग करेंगे और कम थकेंगे तथा दौड़ के दिन तेजी से दौड़ने में सक्षम होंगे।

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

रितेश जायसवाल
अध्यक्ष

सुनील सिन्हा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी

अंशुल गोयल
उपाध्यक्ष

नगर पंचायत शिवनंदनपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

ठाकुर राजवाड़े
मंत्री प्रतिनिधि

लक्ष्मी राजवाड़े
मंत्री, महिला एवं बाल विकास विभाग
छत्तीसगढ़ शासन

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

नरेन्द्र यादव
जिला पंचायत
सदस्य
क्षेत्र क्र. 03

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

प्रतीक बड़ा
सहायक अभियंता
व समस्त स्टॉफ

छ.ग. राज्य विविक मर्या. उपसंभाग बिश्रामपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

मो. सज्जाद
उपसरपंच

विरेन्द्र राजवाड़े
सचिव

अरूणा सिंह
सरपंच

संजीव सिंह
सरपंच प्रतिनिधि

समस्त पंचगण व ग्रामवासी, ग्राम पंचायत कुंजनगर, जपं सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

राधा बाई
सरपंच

नईयर सुल्ताना
उपसरपंच

सियाराम राजवाड़े
सचिव

समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी

ग्राम पंचायत जयनगर, जपं सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

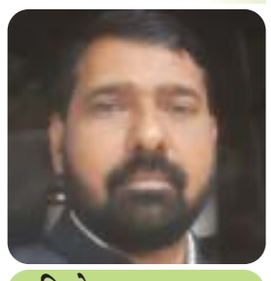

भोला सिंह
अध्यक्ष
संचालक समिति

विनोद जायसवाल
समिति प्रबंधक
एवं समस्त स्टॉफ

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सिलफिली (सूरजपुर)

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

अजय विश्वकर्मा
केन्द्रीय महासचिव

संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

डॉ. अमित भगत
खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सूरजपुर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

धीरेन्द्र सिंह
सहायक वनपरिक्षेत्राधिकारी
व समस्त स्टॉफ वन परिक्षेत्र जयनगर
सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

निरीक्षक रूपेश कुंतल एक्का
थाना प्रभारी व समस्त स्टॉफ

पुलिस थाना बिश्रामपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

उपनिरीक्षक अमित गुप्ता
थाना प्रभारी व समस्त स्टॉफ

पुलिस थाना जयनगर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

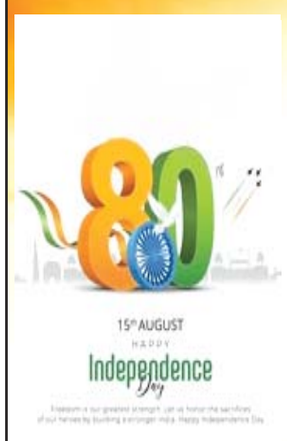

भूलन सिंह मरावी

विधायक
विधानसभा क्षेत्र
प्रेमनगर-04

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

श्रीमती रेखा राजवाड़े

उपाध्यक्ष
जिला पंचायत सूरजपुर

राजलाल राजवाड़े

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

मोनिका सिंह

सभापति
जिला पंचायत
सूरजपुर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

अवधेश साहू

विकासखण्ड शिक्षा
अधिकारी
रामानुजनगर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

गुलाब सिंह

अध्यक्ष
जनपद पंचायत
रामानुजनगर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

विराट बिसी

थाना प्रभारी एवं
समस्त स्टाफ
पुलिस थाना रामानुजनगर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

मनहरण सिंह राठिया

तहसीलदार
रामानुजनगर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

सौभाग्य दुबे
महामंत्री
भाजपा
मंडल
रामानुजनगर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

धनेश्वर सिंह — प्रबंधक
बाबूलाल सिंह — अध्यक्ष

आ.जा. सेवा सहकारी
समिति पोड़ी

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

सुनील कुमार कुशवाहा — प्रबंधक
श्री राम सिंह — अध्यक्ष

आ.जा.सेवा सहकारी
समिति पतरापाली

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

अनिता सिंह
महामंत्री
भाजपा महिला
मोर्चा

मंडल- रामानुजनगर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

सीताराम राजवाड़े — प्रबंधक
रामलखन सिंह — अध्यक्ष

आ.जा. सेवा सहकारी
समिति गणेशपुर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

अनुराधा आर्या
परियोजना अधिकारी
महिला बाल विकास
विभाग रामानुजनगर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

अभिषेक पाण्डेय
मुख्य कार्यपालन
अधिकारी एवं
समस्त स्टॉफ
रामानुजनगर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

देवकीनन्दन साहू — प्रबंधक
मीना सिंह — अध्यक्ष

मनोज राजवाड़े, कम्प्यूटर ऑपरेटर

आ.जा.सेवा सहकारी समिति
उमापुर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

संखलाल साहू — प्रबंधक
सुमार साय सिंह — अध्यक्ष

आ.जा. सेवा सहकारी
समिति परशुरामपुर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

प्रेम कुमार पैकरा
कार्यक्रम अधिकारी
वीवीजीरामजी
जपं-रामानुजनगर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

सुरेश मिश्रा
एसडीओ
लोक निर्माण विभाग

रामानुजनगर, जिला सूरजपुर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

सुशील सिंह — अध्यक्ष
शशि सिंह — प्रबंधक

आ.जा. सेवा सहकारी
समिति छिन्दिया

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

परमेश्वर यादव — प्रबंधक
नारायण सिंह — अध्यक्ष

आ.जा. सेवा सहकारी
समिति चन्दरपुर

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

मीनू मंडल
अनुविभागीय अधिकारी
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
जपं-रामानुजनगर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

श्रीमती नीतू सिंह
जनपद सदस्य लखनपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

कुसराम
मथुरा चौहार
ग्राम
टपरकेला

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

रमवजे हानगुड़
सचिव
राजन टोप्पो
चोड़िया

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

हरिलाल
लकड़ा
केश्वर सिंह
लोसंगा

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

सरपंच
उर्मिला तिग्गा
ग्राम जूनाडीह

सचिव
शिवनारायण

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

अनूप सिंह
उपेन्द्र सिंह
पोंड़ी

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

ज्योति सिंह
सत्यनारायण
अमदला

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

श्रवण
कुमार सिंह
जनार्दन तिर्की
रेमला

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

दलबिर
मझवार
रजंती तिर्की
ग्राम चांदो

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

अमृता
गुड्डा राम
सकरिया

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

मनबहाल मिंज
रामगोपाल साहू
अरगोती

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

परमेश्वरी सिंह
उपेन्द्र सिंह
जुडवानी

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

चमन सिंह पैकरा
धर्मेन्द्र सिंह
कुंवरपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

कौशल्या बाई
मनोज चौबे
कुसु

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

तारावती उईके
जुगुल राम

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

मानकुमारी
सिंह
धनसाय
पर्री

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

मनेजर राम
जयपाल साहू
केंवरी

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....

रामलाल एक्का
भोजराम
करई

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, (वि./यां.) संभाग अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक–4181/NIT–07/2026–2027/व.ले.लि. दिनांक : 12/08/2026

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :– 24/08/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :– 01/09/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :– 02/09/2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

कार्यों हेतु :–

निविदा प्रपत्र का मूल्य :– 750.00 रूपये, निविदाकारों की श्रेणी :– ई–पंजीयन के अंतर्गत "द" से "अ" तक तथा कार्य की अवधि T0027 से T0039 हेतु दिनांक 31.03.2027 तक वर्षा ऋतु सहित निर्धारित है।

एनआईटी क्र.7 निविदा क्र.	कार्य का नाम/ NoOfCalls (प्रथम आमंत्रण)	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) - अमानत राशि(रू.में) - बैंक सात्वेंसी (रू.में)
1	2	3
T0027	सरगुजा जिले के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) उपसंभाग अंबिकापुर के शासकीय आवासीय भवनों भवनों में विधुतीकरण एवं विधुत उपकरण के मरम्मत, रख रखाव एवं अन्य आवश्यक विधुतीकरण कार्य।	8.00 - 6000.00 -120000.00
T0028	सरगुजा जिले के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) उपसंभाग अंबिकापुर के शासकीय गैर-आवासीय भवनों में विधुतीकरण मरम्मत, रख-रखाव एवं अन्य आवश्यक विधुतीकरण कार्य।	10.00 - 7500.00 -150000.00
T0029	जशपुर जिले के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) उपसंभाग जशपुर के शासकीय आवासीय भवनों में विधुतीकरण, विधुत उपकरणों के मरम्मत, रख-रखाव एवं अन्य आवश्यक विधुतीकरण कार्य।	8.00 - 6000.00 -120000.00
T0030	जशपुर जिले के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) उपसंभाग जशपुर के शासकीय गैर-आवासीय भवनों में विधुतीकरण, विधुत उपकरण के मरम्मत, रख-रखाव एवं अन्य आवश्यक विधुतीकरण कार्य।	9.00 - 6750.00 -135000.00
T0031	जशपुर जिले के अंतर्गत सी.एम. हाउस बगिया में गीजर, पंखा, एक्साष्ट फेन, कूलर एवं विधुतीकरण के समस्त मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य।	10.00 - 7500.00 -150000.00
T0032	बलरामपुर जिले के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) उपसंभाग बलरामपुर के शासकीय आवासीय भवनों में विधुतीकरण, विधुत उपकरण के मरम्मत, रख-रखाव एवं अन्य आवश्यक विधुतीकरण कार्य।	9.00 - 6750.00 -135000.00
T0033	बलरामपुर जिले के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) उपसंभाग बलरामपुर के शासकीय गैर-आवासीय भवनों में विधुतीकरण, विधुत उपकरण के मरम्मत, रख-रखाव एवं अन्य आवश्यक विधुतीकरण कार्य।	10.00 - 7500.00 -150000.00
T0034	सूरजपुर जिले के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) उपसंभाग सूरजपुर के शासकीय आवासीय भवनों में विधुतीकरण, विधुत उपकरण के मरम्मत, रख-रखाव एवं अन्य आवश्यक विधुतीकरण कार्य।	7.00 - 5250.00 -105000.00
T0035	सूरजपुर जिले के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) उपसंभाग सूरजपुर के शासकीय गैर-आवासीय भवनों में विधुतीकरण, विधुत उपकरणों के मरम्मत, रख-रखाव एवं अन्य आवश्यक विधुतीकरण कार्य।	10.00 - 7500.00 -150000.00
T0036	कोरिया जिले के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) उपसंभाग कोरिया के शासकीय आवासीय भवनों में विधुतीकरण, विधुत उपकरण के मरम्मत, रख-रखाव एवं अन्य आवश्यक विधुतीकरण कार्य।	7.00 - 5250.00 -105000.00
T0037	कोरिया जिले के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) उपसंभाग कोरिया के शासकीय गैर-आवासीय भवनों में विधुतीकरण, विधुत उपकरण के मरम्मत, रख-रखाव एवं अन्य आवश्यक विधुतीकरण कार्य।	7.00 - 5250.00 -105000.00
T0038	एम.सी.बी. जिले के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) उपसंभाग एम.सी.बी. के शासकीय आवासीय भवनों में विधुतीकरण, विधुत उपकरण के मरम्मत, रख-रखाव एवं अन्य आवश्यक विधुतीकरण कार्य।	7.00 - 5250.00 -105000.00
T0039	एम.सी.बी. जिले के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) उपसंभाग एम.सी.बी. के शासकीय गैर-आवासीय भवनों में विधुतीकरण, विधुत उपकरण के मरम्मत, रख-रखाव एवं अन्य आवश्यक विधुतीकरण कार्य।	8.00 - 6000.00 -120000.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग
अम्बिकापुर, जिला : सरगुजा (छ.ग.)

जी–262702764/1

कार्यालय अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग सेतु मण्डल अम्बिकापुर (छ0ग0)

बाबूपारा जेल रोड़ अम्बिकापुर फोन 07774–224498 फैक्स 224113

ई–प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Portal:https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है :–
निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि :– दिनांक 27.08.2026
निविदा आमंत्रण :– प्रथम आमंत्रण

स. क्र	निविदा आमंत्रण सूचना कमांक व दिनांक	सिस्टम निविदा क.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4	5
1	06/ 07.08.2026	197008	लोक निर्माण विभाग सेतु उपसंभाग अम्बिकापुर अंतर्गत निर्मित पुलों में विशेष मरम्मत कार्य का निविदा आमंत्रण बावत्।	रू. 49.95 लाख
2	07/ 07.08.2026	197009	लोक निर्माण विभाग सेतु उपसंभाग सूरजपुर अंतर्गत निर्मित पुलों में विशेष मरम्मत कार्य का निविदा आमंत्रण बावत्।	रू. 49.91 लाख
3	08/ 07.08.2026	197010	लोक निर्माण विभाग सेतु उपसंभाग मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत निर्मित पुलों में विशेष मरम्मत कार्य का निविदा आमंत्रण बावत्।	रू. 49.89 लाख
4	09/ 07.08.2026	197011	लोक निर्माण विभाग सेतु उपसंभाग रामानुजगंज अंतर्गत निर्मित पुलों में विशेष मरम्मत कार्य का निविदा आमंत्रण बावत्।	रू. 49.93 लाख
5	10/ 07.08.2026	197012	लोक निर्माण विभाग सेतु उपसंभाग जशपुर अंतर्गत निर्मित पुलों में विशेष मरम्मत कार्य का निविदा आमंत्रण बावत्।	रू. 49.90 लाख

अधीक्षण अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग सेतु मण्डल
अम्बिकापुर (छ.ग.)

जी–262702735/1

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर